LLF Language and Learning foundation
Strong Foundation, *Stronger* Future

कुदुकी

कहानी: विनीता कृष्णा
चित्र: निखिल खत्री

स्तर 2

कुदुकी
Kuduki

लेखन : विनीता कृष्णा

चित्र : निखिल खत्री

सम्पादकीय सहयोग : हीना परवीन

प्रथम संस्करण : 2023

मुद्रक :

लेआउट और डिजाईन : स्टेल्ला डिजाईन ऐंड प्रिंट

प्रकाशक :
लैंग्वेज ऐंड लर्निंग फाउंडेशन
डी – 26 , एन. डी. एस. ई. पार्ट – II
फ्रंट ग्राउंड फ्लोर , नई दिल्ली – 110049
फोन – 011-41092724

ISBN 978-81-957414-0-3

LLF Language and Learning foundation
Strong Foundation, Stronger Future

© Language and Learning Foundation
इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बाद ही इस पुस्तक के किसी भी अंश का उपयोग किया जा सकता है।

कुदुकी

“कुदुकी! कूद मत!” वह एक
पल रुकती, फिर वही कूद।

माँ ने कहा “चल, चल पोखर के किनारे।”

“टोकरी बुनेंगे?” कुदुकी कूदी।

माँ के हाथ बाँस पर चलने लगे।
“तुम भी बनाओ” माँ बोली।

फुदक ऊपर
फुदक नीचे
ताना-बाना बोकरी
ऊपर-नीचे
ऊपर-नीचे
बनती जा टोकरी

कुदुकी गाते-गाते बुनने लगी।

“तीस दिन हो गए, चल कुदुकी,
टोकरियाँ ले आएँ।” माँ बोली।

“आपकी टोकरियाँ कितनी सुंदर हैं माँ!
“और मेरी?
मेरी गायब?” कुदुकी परेशान।

“ग़ायब कैसे?” माँ सारी टोकरियाँ पलटने लगीं।
“चील ले गई? हवा उड़ा ले गई?
पोखर में डूब गई? गई तो कहाँ गई?”
कुदुकी रुआँसी हो गई।

“टर्र-टर्र-टर्र” कुदुकी मुड़ी।
“माँ! देखो! अजूबा! नहीं–नहीं, जादू!”
उसने लम्बी छलाँग लगाई।

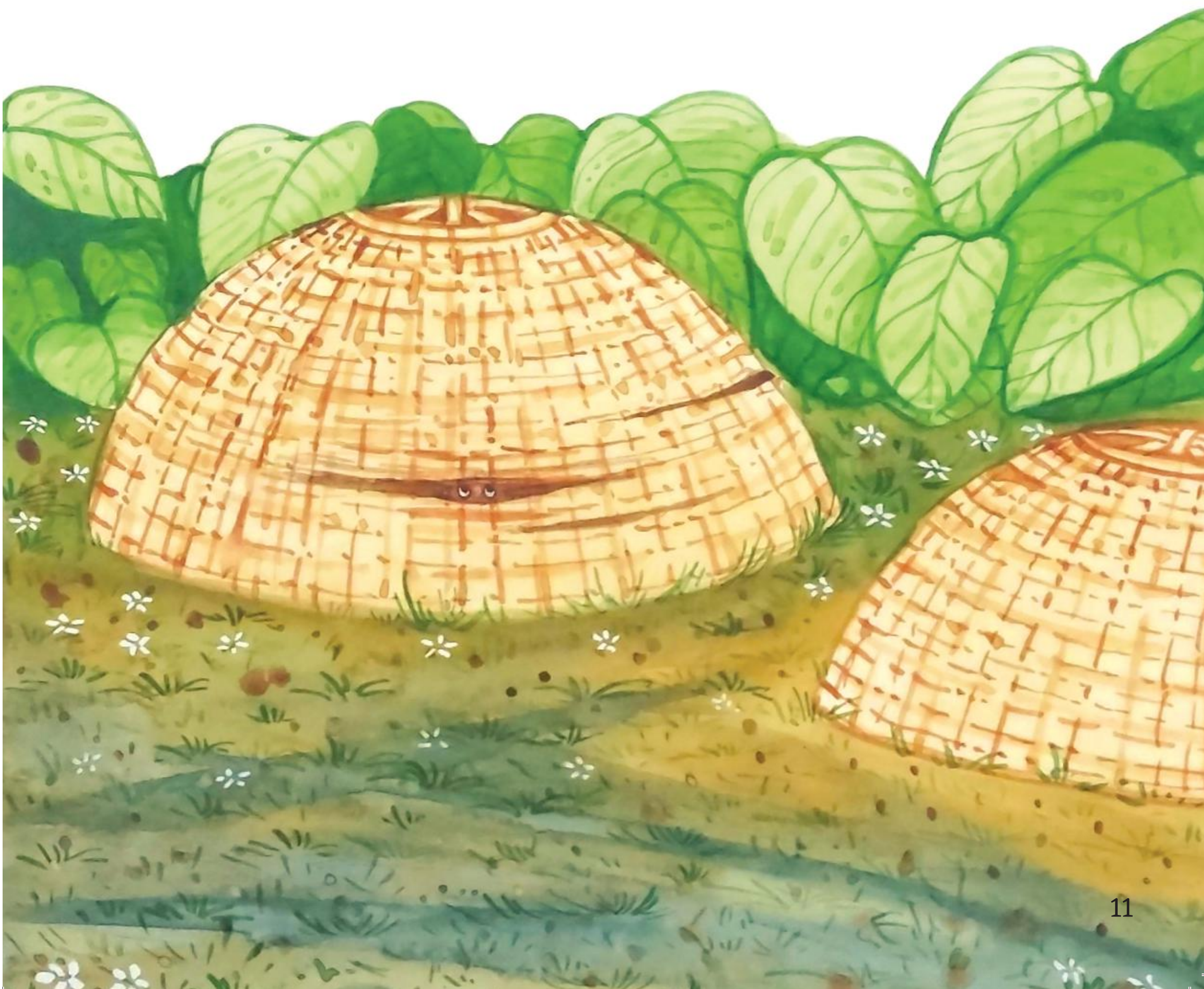

“संभल कुदुकी!” माँ भागी।
“अरे-रे-रे! कूदती-टर्राती
टोकरियाँ!” कुदुकी हँसी।

माँ ने टोकरियाँ पलट दीं। घबराए मेंढक कूदे पोखर में। “मगर, माँ यह कैसे?” कुदुकी हैरान थी।

“चौके पोखर से तुम्हारी टोकरी
के नीचे इतने दिन फँसे रहे,
और बन गए मेंढक!” माँ बोली।

ऊपर-नीचे, फुदक-फुदक
कुदुकी की टोकरी
रुके नहीं, भागी जाए
मेरे जैसी, मेरी टोकरी

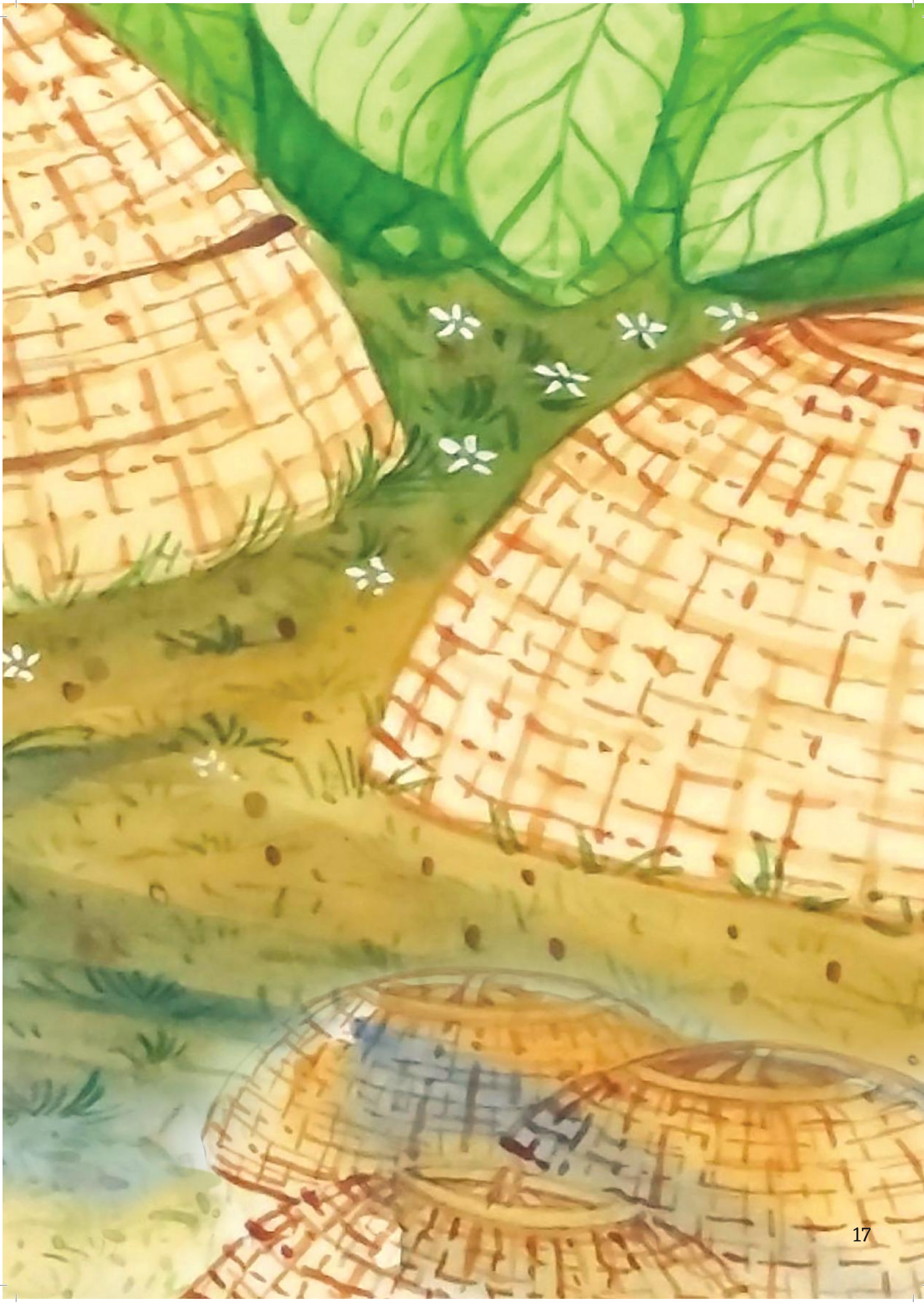

कुदुकी ने पोखर के किनारे अपनी टोकरी बनाकर रखी। कुछ दिनों बाद जब कुदुकी उसे पोखर के पास लेने पहुँची तब टोकरी गायब थी। आखिर कहाँ गई कुदुकी की टोकरी?

लैंग्वेज ऐंड लर्निंग फाउंडेशन (LLF) बच्चों में बुनियादी साक्षरता कौशल और पढ़ने की आदत के विकास के लिए कार्य करता है और इसी क्रम में बच्चों के लिए विविध प्रकार के बाल साहित्य की उपलब्धता पर ज़ोर देता है। पढ़ना सीख रहे बच्चों के लिए रोचक चित्रों के साथ बना बाल साहित्य उनके पढ़ने सीखने के सफ़र में गति उत्पन्न करता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए LLF, 5-9 साल के बच्चों के लिए उपयुक्त और रोचक बाल साहित्य की रचना कर रहा है जिसके तहत कहानी की किताबें विकसित की जा रही हैं।

LLF द्वारा प्रकाशित किताबें 5 से 9 साल तक के बच्चों को ध्यान में रखते हुए इन 3 स्तरों में रखी गई हैं।

स्तर 1

उन बच्चों के लिए जिन्होंने अभी-अभी पढ़ना शुरू किया है। इस स्तर की किताबों में रोचक चित्रों के साथ कुछ सरल शब्द या वाक्य होते हैं जिन्हें बच्चे आसानी से पढ़ सकते हैं। ऐसी किताबें बच्चों में पढ़ने के प्रति रुचि पैदा करने में महत्वपूर्ण हैं।

स्तर 2

उन बच्चों के लिए जो छोटे और सरल वाक्य पढ़ना सीख चुके हैं मगर अभी पढ़ने में निपुण नहीं हैं। इस स्तर की किताबों में बड़े और छोटे दोनों ही प्रकार के चित्रों के साथ सरल वाक्य होते हैं। ऐसी किताबें बच्चों को खुद से और किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

स्तर 3

उन बच्चों के लिए जो छोटे पाठ आसानी से पढ़ सकते हैं। इस स्तर की किताबों में चित्रों के साथ कई वाक्य एक साथ लिखे हो सकते हैं। इन किताबों में पात्रों और घटनाओं की संख्या अपेक्षाकृत अधिक होती है। ऐसी किताबें बच्चों को उनके सोचने समझने के दायरे विस्तृत करने में मदद करती हैं।

इस किताब को BMGF द्वारा दिए गए वित्तीय सहयोग से विकसित किया गया है।

LLF
Language and Learning
foundation
Strong Foundation, Stronger Future